धोलावीरा मे खुदाई

370. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला** : क्या मानव ससांधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कच्छ जिले के धोलावीरा क्षेत्र में हाल में खुदाई के दौरान कई बहुमूल्य शिल्प कृतियां और प्राचीन अवशेषों का भंडार प्राप्त हुआ है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ये मदें किस अवधि की हैं,

(ग) क्या भारती पुरातत्व विभाग ने इस क्षेत्र का कोई गहन सर्वेक्षण किया है,

(घ) भारतीय पुरातत्व विभाग ने इस क्षेत्र का कोई गहन सर्वेक्षण किया है,

(ड़) इन मदों के सरक्षंण हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस.आर. बोम्बई) : (क) से (ड़) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा धोलावीरा में 1990 से सात बार क्षेत्रीय उत्खनन किए गए जिनसे निम्न तथ्य प्रकाश में आए हैं उत्कृष्ट रूप से नियोजित एंव बहुखण्डीय किलाबदं एक भट्टा जिसमें स्मारकीय एंव सुंदर ढांचे हैं, बैठने की व्यवस्था वाले दो स्टेडियम जिनमें एक छोटा एंव एक बड़ा है, गलियां, आवासीय सेक्टर, जलाशयं आन्तरिक एंव खुले जलमार्ग, बांध, तालाब एक बड़ा कुआं एंव नालियों का एक जाल शामिल है।

अनुषंगी व्यवस्थाओं एंव नगर की दीवारों के बाहर स्थित कब्रिस्तान का भी पता चलता है। हड़प्पा कालीन 10 बड़े चिन्हों वाला एक अद्वितीय अभिलेख एंव सिर तथा पैर रहित नग्र पुरूष की बालू पत्थर की बनी एक प्रतिमा भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में बहुमूल्य परावशेष प्राप्त हुए हैं। जिनमें स्टाम्प मुहरें, मिट्टी की बनी सीलें, अपमूल्य वाले पत्थर के बने मनके, बरमा-टुकडे, सोने, चांदी, तांबे पत्थर, पेस्ट, मिट्टी सीप एंव हाथी दांत के बने गहने, तांबे, पत्थर सीप एंव हड्डी के बने औजार, त्रिधन्तीय, पत्थर के बांट, टेकाकोटा की बनी मूर्तियां एंव मृंद भांड शामिल है।

धौलावीरा के उत्खनन से प्राप्त जानकारी में तीसरी सहस्त्राब्दि ईशापूर्व के प्रथम चतुर्धाश के आरम्भ से दूसरी सहस्त्राब्दि ईशावपूर्ण के मध्य तक के सहस्त्राब्दि से अधिक का समय शामिल है। धौलावीरा के आस-पास के क्षेत्र के गहन सर्वेक्षण से प्रारम्भिक किश्यिन युग से 19वीं शताब्दी ईसवी तक की अवधि के कैम्प-स्थलों, हड़प्पा काल के मृद भांडो, जलाशयों, बांधों एंव कब्रों का पता चला है।

किलेबंद दीवालों, द्वार-परिसरों, रास्तों, जला-शयों, कुओं एवं नालियों का जाल जैसी अधिकांश उत्खनित सरंचनाओं आदि का पुरातत्वीय मानकों के अनुसार सरंक्षण किया गया है अतिसंवेदनशील स्थानों पर कम ऊंचाइ के मिट्टी के बांध बनाये गये हैं ताकि वर्षा का पानी बाहर निकला जा सके।

Survey Regarding Girls not Attending Schools in Maharashtra

371. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey to find out the number of girls of schools going age who cannot attend formal schools in Maharashtra particularly in its Vidarbha region;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps being taken by Government to provide education to such girls in the State within a time-frame?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) and (b) Ac-coring to the information furnished by the Government of Maharashtra no such survey has been conducted by State Government.

(c) Accoring to information furnished by the Government of Maharashtra, they are making efforts to enrol and retain girls in schools hrough a number of measures. Some of hese schemes are:

(i) Setting up district, block and cluster level advisory committee for supervision;

(ii) Provision of free textbooks and uniforms to students belonging to Backward communities studying upto class IV;

(iii) Attendence allowance at the rate of Rs. l/-per day is given to